पशु आहार में खनिज मिश्रण : क्षेत्रीय आवश्यकताओं का रखें ख्याल

पशुओं के आहार में सन्तुलित मात्रा में खनिज मिश्रण होना अति आवश्यक है। खनिज लवण पशुओं की अस्थियों एवं मांशपेशियों की वृद्वि तथा रखरखाव में सहायता करते हैं। कुछ खनिज लवण हार्मोन तथा विटामिन के संश्लेशण एवं पाचक रस के निर्माण में आवश्यक होते है।खनिज लवणों की कमी, अधिकता तथा असंतुलित अनुपात पशुउत्पादन एवं स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालते है।

कैल्शियम और फास्फोरस में असंतुलनः इसके कारण गायों में दुग्ध ज्वर नामक रोग हो जाता है। हरे चारे में कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जबकि फास्फोरस की कमी रहती है। जिससे कैल्शियम फास्फोरस अनुपात असंतुलित हो जाता है और इसके कारण दोनों खनिजों का अवशोषण एवं उपयोग कम हो जाता है। आमतौर पर कैल्शियम फास्फोरस पशुआहार में 2:1 या 1:1 के अनुपात में रखे जाते है। 2:1 अनुपात का प्रयोग तभी करते हैं जब दाना उचित मात्रा में देते है। परन्तु जब मुख्यतः चारा आधारित खिलाई करते है तब कैल्शियम फास्फोरस का 1:1 अनुपात पशुआहार में रखना चाहिये।

ताँबा, मोल्बिडेनम और सल्फर में असंतुलन : इन खनिजों में असंतुलन होने के कारण पशुओं में ताँबे की उपलब्धता कम हो जाती है। जिससे पशुओं में विभिन्न रोग जैसे रंग उडना, बाल झड़ना, बाल पतला होना तथा ऊन उत्पादन एवं गुणवत्ता का कम हो जाना, पशुओं के प्रजनन में कमी इत्यादि देखी जाती है। आमतौर पर ताँबा और मोल्बिडेनम में 2:1 से 4:1 का अनुपात पशुआहार में रखते है।

कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्निशियम में असंतुलन : जब पशुओं के चारे दाने में पोटेशियम के सापेक्ष कैल्शियम + मैग्नीशियम का अनुपात 4:4 से बढ़ जाता है। तब ग्रास टिटेनी (मैग्निशियम अल्पता) की सम्भावना भी बढ़ जाती है। यह आमतौर पर गायों एवं भैसों में प्रसूति के आसपास होता है।

पशुआहार में खनिज लवणों में असंतुलन दूर करने के उपाय : बहुत से खनिज तत्व जैसे मैग्निशियम, सल्फर, आयोडीन, कोबाल्ट, क्लोरीन, मैंगनीज, मोल्बिडेनम, लोहा, सेलेनियम की आवश्यक मात्रा दाने एवं चारे से प्राप्त हो जाती है। अतः उपरोक्त तत्वों को पूरक के रूप में देने से इन तत्वों का अनुपात घट या बढ़ जाता है। जिससे इन तत्वों तथा दूसरे तत्वों की उपलब्धता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। फलस्वरूप पशुओं में बहुत सारी बीमारियाँ जैसे रिकेट(हड्डियों का अल्प विकास या पतलापन), पाइका, दुग्ध ज्वर, घेंघा, रक्तअल्पता, खुरदरी त्वचा, प्रजनन क्षमता में कमी, गर्भधारण में देरी, रोगरोधी क्षमता का ह्रास इत्यादि प्रारम्भ हो जाता है।

अतः पशुओं को इन सभी बीमारियों से बचाने के लिये इन्हें **''क्षेत्र विशिष्ट के लिये तैयार खनिज मिश्रण''** देना चाहिये।

1. क्षेत्र विशेष हेतु खनिज मिश्रण

खनिज लवण	मात्रा (ग्राम)
डाई कैल्शियम फास्फेट	1960
जिंक सल्फेट	32
कॉपर सल्फेट	8
नमक	1000
	3000

2. क्षेत्र विशेष हेतु खनिज मिश्रण

खनिज लवण	मात्रा (ग्राम)
डाई कैल्शियम फास्फेट	1950
जिंक सल्फेट	41
कॉपर सल्फेट	8
पोटैशियम आयोडाइड	1
नमक	1000
	3000

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें :

प्रभारी अधिकारी, एटिक
भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान
झाँसी उ.प्र. – 284003 भारत
किसान काल केन्द्र दूरभाष: 0510–2730241
Website : www.igfri.res.in